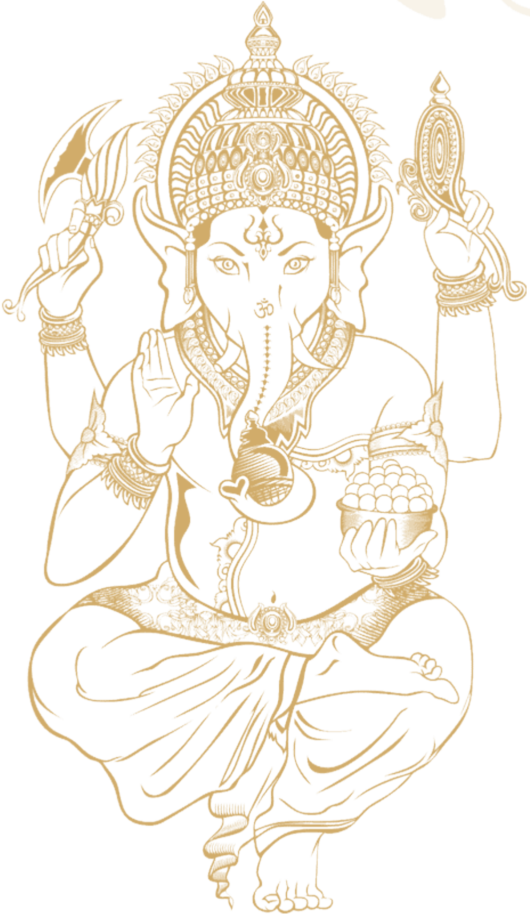

Shikhar Vardhan Singh

29 Dec 2003

11:35 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb **Order No: 121804704**

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 29/12/2003**
दिन	: सोमवार
जन्म समय	**: 11:35:00 घंटे**
इष्ट	: 10:50:35 घटी
स्थान	**: Jaipur**
राज्य	: Rajasthan
देश	: India

अक्षांश	: 26:53:00 उत्तर
रेखांश	: 75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 11:08:20 घंटे
वेलान्तर	: -00:01:46 घंटे
साम्पातिक काल	: 17:37:30 घंटे
सूर्योदय	: 07:14:46 घंटे
सूर्यास्त	: 17:42:21 घंटे
दिनमान	: 10:27:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 13:10:59 धनु
लग्न के अंश	: 28:14:28 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**: कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**: पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: व्यतिपात
करण	: गर
गण	: मनुष्य
योनि	: सिंह
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: सर्प
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: दा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	28:14:28	501:54:43	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	13:10:59	01:01:09	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	29:42:31	12:48:20	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	सम राशि
मंगल			मीन	13:35:46	00:36:10	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मित्र राशि
बुध	व	अ	धनु	07:58:26	01:16:47	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			सिंह	24:56:29	00:01:06	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मक	15:55:46	01:13:50	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	16:04:09	00:04:57	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	25:22:05	00:02:12	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	25:22:05	00:02:12	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष			कुंभ	06:02:42	00:02:23	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप			मक	17:41:12	00:01:57	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	26:29:12	00:02:12	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			धनु	00:55:27	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:34

लग्न-चलित

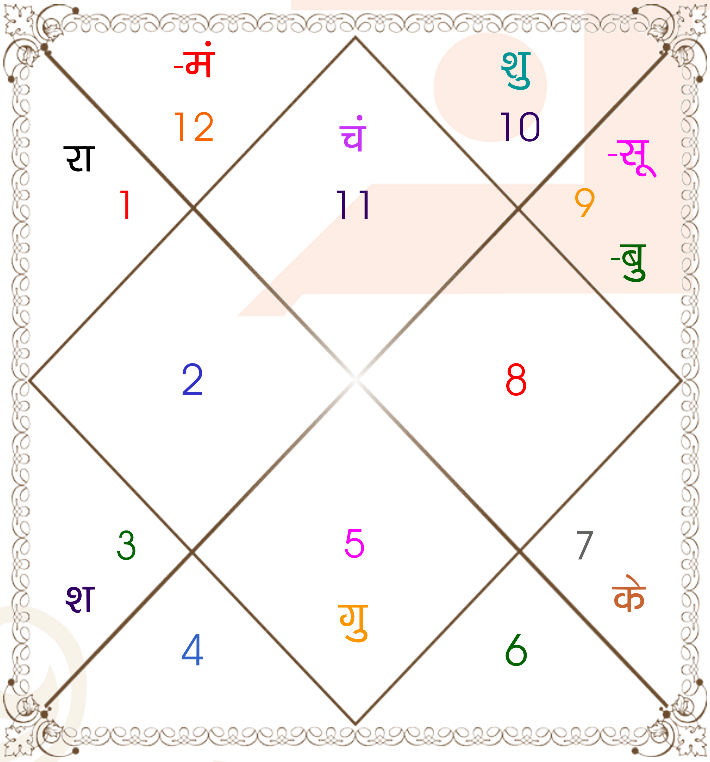

चन्द्र कुंडली

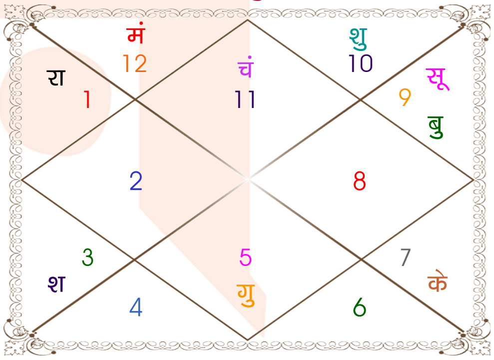

नवमांश कुंडली

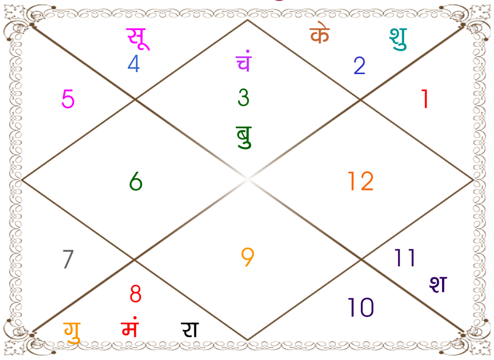

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 4 वर्ष 4 मास 6 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
29/12/2003	**05/05/2008**	**05/05/2027**	**05/05/2044**	**05/05/2051**
05/05/2008	**05/05/2027**	**05/05/2044**	**05/05/2051**	**05/05/2071**
00/00/0000	शनि 09/05/2011	बुध 01/10/2029	केतु 01/10/2044	शुक्र 04/09/2054
00/00/0000	बुध 16/01/2014	केतु 28/09/2030	शुक्र 01/12/2045	सूर्य 04/09/2055
00/00/0000	केतु 24/02/2015	शुक्र 29/07/2033	सूर्य 08/04/2046	चंद्र 05/05/2057
00/00/0000	शुक्र 26/04/2018	सूर्य 05/06/2034	चंद्र 07/11/2046	मंगल05/07/2058
00/00/0000	सूर्य 08/04/2019	चंद्र 04/11/2035	मंगल05/04/2047	राहु 05/07/2061
29/12/2003	चंद्र 06/11/2020	मंगल31/10/2036	राहु 23/04/2048	गुरु 05/03/2064
चंद्र 03/01/2005	मंगल16/12/2021	राहु 21/05/2039	गुरु 29/03/2049	शनि 05/05/2067
मंगल10/12/2005	राहु 22/10/2024	गुरु 26/08/2041	शनि 08/05/2050	बुध 05/03/2070
राहु 05/05/2008	गुरु 05/05/2027	शनि 05/05/2044	बुध 05/05/2051	केतु 05/05/2071

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
05/05/2071	**05/05/2077**	**05/05/2087**	**05/05/2094**	**06/05/2112**
05/05/2077	**05/05/2087**	**05/05/2094**	**06/05/2112**	**00/00/0000**
सूर्य 23/08/2071	चंद्र 05/03/2078	मंगल02/10/2087	राहु 15/01/2097	गुरु 24/06/2114
चंद्र 22/02/2072	मंगल04/10/2078	राहु 19/10/2088	गुरु 11/06/2099	शनि 04/01/2117
मंगल29/06/2072	राहु 04/04/2080	गुरु 25/09/2089	शनि 18/04/2102	बुध 12/04/2119
राहु 23/05/2073	गुरु 04/08/2081	शनि 04/11/2090	बुध 04/11/2104	केतु 18/03/2120
गुरु 11/03/2074	शनि 06/03/2083	बुध 01/11/2091	केतु 23/11/2105	शुक्र 17/11/2122
शनि 21/02/2075	बुध 04/08/2084	केतु 29/03/2092	शुक्र 23/11/2108	सूर्य 05/09/2123
बुध 29/12/2075	केतु 05/03/2085	शुक्र 29/05/2093	सूर्य 17/10/2109	चंद्र 30/12/2123
केतु 05/05/2076	शुक्र 04/11/2086	सूर्य 04/10/2093	चंद्र 18/04/2111	00/00/0000
शुक्र 05/05/2077	सूर्य 05/05/2087	चंद्र 05/05/2094	मंगल06/05/2112	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 4 वर्ष 4 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारुप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन के कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाले हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगे। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगे। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखते हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचते है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन का ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाले व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करते हो। दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहते। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहते। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमती पत्नी एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली व्यक्ति के समान धनी हो जाओगे। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देते तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़े रहते हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकते हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकते है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।